अच्युतम केशवं कृष्ण दामोदरं

अच्युतम केशवं कृष्ण दामोदरं,
राम नारायणं, जानकी वल्लभं॥

कौन कहता है भगवान आते नहीं,
तुम मीरा के जैसे बुलाते नहीं।

कौन कहता है भगवान खाते नहीं,
बेर शबरी के जैसे खिलाते नहीं।

कौन कहता है भगवान सोते नहीं,
माँ यशोदा के जैसे सुलाते नहीं।

कौन कहता है भगवान नाचते नहीं,
तुम गोपी के जैसे नचाते नहीं।

कौन कहता है भगवान नचाते नहीं,
गोपियों की तरह तुम नाचते नहीं।

अच्युतम केशवं कृष्ण दामोदरं,
राम नारायणं जानकी वल्लभं॥

श्रीधरम माधवम गोपिका वल्लभं
जानकी नायकम, रामचन्द्रम हरे॥
